रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

भूविज्ञान के ज्ञान से ही संभव है मानव जाति के लिए संसाधनों की आपूर्ति

विश्वविद्यालय में सप्ताहव्यापी "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" आयोजन के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता, वैज्ञानिक व्याख्यान, चलायमान विज्ञान प्रदर्शनी एवं विज्ञान फिल्मों का प्रदर्शन

जबलपुर 26 फरवरी। भू विज्ञान के ज्ञान से ही हम ऊर्जा के लिए जीवाश्म या नाभिकीय वस्तुओं का पृथ्वी से दोहन कर सकते हैं और मानव जाति के लिए संसाधनों की आपूर्ति कर सकते हैं। ये जानकारी डॉ. ए.एन. सिंह, से.नि. मुख्य भूगर्भशास्त्री भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने शनिवार को रानी दुर्गावती परिसर में वैज्ञानिक व्याख्यान के अवसर पर दी।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत एक सप्ताह चलने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष में "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विज्ञान सर्वत्र पूज्यते, एक सप्ताह तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी मेगा विज्ञान उत्सव का आयोजन पुरे विधि विधान से मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं विज्ञान भारती महाकौशल विज्ञान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मार्गदर्शन एवं मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, भोपाल महानिदेशक प्रो. अनिल कोठारी के निर्देशन में आयोजन की श्रृंखला में 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे, प्रेक्षागृह में "रत्न खनिजों का अध्ययन एवं उपकरणों की सहायता से उनकी पहचान करने के तरीके" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि खनिज समाज तथा राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व हैं। देश के सामरिक,एवं आधारभूत संरचना के विकास, उत्पादन तथा आर्थिक विकास में खनिज महत्वपूर्ण योगदान देते है। भारत में 89 प्रकार के खनिज पदार्थ पाये जाते हैं, जिसमें 4 ईन्धन, 11 धात्विक, 52 अधात्विक एवं 22 छोटे प्रकार खनिज हैं।

भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया अपना कौशल–

"विज्ञान सर्वत्र पूज्यते " के आयोजन में शनिवार को पं. कुंजीलाल दुबे, प्रेक्षागृह में भविष्य की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में इस दौरान निर्णायक के रूप में विज्ञानी प्रो. मीरा रामरख्यानी, प्रो. पूर्णिमा जैन,

प्रो. एस.एस. संधु, डॉ. पी.एल. अहिरवाल मौजूद रहे। भाषण प्रतियोगिता में विविध स्कूलों एवं कॉलेजों से लगभग 40 छात्र–छात्राओं ने विवि के मंच से अपनी भाषण कला कौशल का प्रदर्शन किया।

चलायमान विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन–

विज्ञान सर्वत्र पूज्यते कार्यक्रम के अंतर्गत विवि मुख्य प्रशासनिक भवन के समक्ष आंचलिक विज्ञान केन्द्र भोपाल की चलायमान विज्ञान प्रदर्शनी का का आयोजन किया गया। विज्ञान की इस बस में प्रतिभागियों के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित कथा, वृत्तचित्र, एनीमेशन और वीडियो–कला को आसान बनाने और विज्ञान सीखने को ठोस बनाने के लिए प्रस्तुतियां दी गईं, जिसका विद्यार्थियों द्वारा अवलोकन किया गया।

विज्ञान फिल्मों का प्रदर्शन–

विवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में विज्ञान प्रसार विभाग द्वारा चयनित विज्ञान फिल्मों का भी प्रदर्शन हुआ जिसमें अन्ना मैनी, अरोमा मिशन, सीवी रमन, साइबर फिजिकल सिस्टम, क्वांटम साइंस एंड टेक्नॉलॉजी, वूमन पावर इन साइंस इत्यादि फिल्मों ने सभी को विज्ञान के नवाचारों से परिचित कराया। इस अवसर पर आयोजन समिति समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के डॉ. एन.के. शिवहरे, डॉ. एस.एन. रजक, डॉ. निपुण सिलावट, प्रो. एसएस संधू, डॉ प्रो. सुनीता शर्मा, श्री प्रभात दुबे, प्रो. मुक्ता भटेले, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ, मीनल दुबे, इंजी. महावीर त्रिपाठी, डॉ. दीपेन्द्र सिंह, डॉ. एस.पी. त्रिपाठी, सम्राट बोस, सुनील चौधरी, रितेश चौरसिया, डॉ. प्रकाश मिश्रा, अमरकांत चौधरी आदि का सक्रिय योगदान रहा।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और वैज्ञानिक व्याख्यान आज–

"विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" आयोजन के स्थानीय कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, सह समन्वयक डॉ. एस.एन. रजक, डॉ सुनीता शर्मा एवं निपुण सिलावट ने बताया कि में "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" सप्ताह के अंतर्गत 27 फरवरी 2022, रविवार को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में वैज्ञानिकों की भूमिका विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन प्रातः 11.30 बजे से आयोजित होगी एवं वैज्ञानिक व्याख्यान अपरांह 2.00 बजे से आयोजित होगा।